



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 183] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 9, 1993/भाद्र 18, 1915
No. 183] NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 9, 1993/BHADRA 18, 1915

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना सं. 160/(पीएन)/92-97

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 1993

फा. सं० 9/2/93-ई. पी. सी.—निर्यात आयात नीति, 1992-97 (संशोधित संस्करण : मार्च, 1993) के पैराग्राफ 16 के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक विदेश व्यापार एतद्वारा प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1); 1992-97 (संशोधित संस्करण : मार्च, 1993) में निम्नलिखित संशोधन करते हैं :—

(i) अध्याय-8 में, पैराग्राफ 147 के नीचे सारणी-1 के प्रथम कालम में प्रविष्टि सं. “क” को निम्नानुसार संशोधन किया जायेगा :—

“क. बिना स्टड लगी सादे स्वर्ण आभूषण की वस्तुएं 10 प्रतिशत या इससे अधिक न्यूनतम मूल्य संयोजन सहित (स्वर्ण तत्व में वेस्टेज मिलाकर)।”

(ii) अध्याय-8 में, पैराग्राफ 147 के नीचे सारणी-1 के प्रथम कालम में प्रविष्टि सं. ख (i) को निम्नानुसार संशोधित किया जायेगा :—

“(i) 15 प्रतिशत मूल्य संयोजन और 25 प्रतिशत तक”

(iii) अध्याय-8 में पैराग्राफ 150 (9)(iii) में पृष्ठ 56 पर उल्लिखित इन शब्दों और अंकों “स्वर्ण तत्व में उपलब्ध वेस्टेज पर न्यूनतम निर्धारित 15% सीमा से अधिक” को संशोधित कर इस प्रकार पढ़ा जायेगा :—

“सादे स्वर्ण आभूषण की 10 प्रतिशत और स्टड लग स्वर्ण आभूषण जिसमें स्वर्ण तत्व में वेस्टेज भी साथ हो 15% या इससे अधिक न्यूनतम निर्धारित सीमा”

(4) अध्याय-8 में, पैराग्राफ 152(10) (ii) में पृष्ठ 64 पर उल्लिखित इन शब्दों और अंकों “स्वर्ण तत्व जिसमें साथ ही वेस्टेज भी है की 15 प्रतिशत की न्यूनतम निर्धारित सीमा से अधिक” को संशोधित कर इस प्रकार पढ़ा जायेगा :—

“सादे स्वर्ण आभूषण की 10 प्रतिशत और स्टड लगे आभूषण जिसमें स्वर्ण तत्व में वेस्टेज भी साथ हो 15 प्रतिशत या इससे अधिक न्यूनतम निर्धारित सीमा।”

अध्याय-8 में, पैराग्राफ 152 (20) (2) में निम्नानुसार संशोधन किया जायेगा :—

“(20) भारतीय खनिज व धातु व्यापार, निगम लि. (एम.एम.टी.सी.), नई दिल्ली और कलकत्ता,

मद्रास, बंगलौर, बम्बई, अहमदाबाद और जयपुर में स्थित इसकी शाखाओं तथा साथ ही भारतीय हस्तशिल्प और हथकरघा निर्यात लि. (एच एच ई सी), नई दिल्ली और बम्बई, कलकत्ता, मद्रास, जयपुर, बंगलौर और कोचीन में स्थित इसकी शाखाओं की सोने के आभूषण और वस्तुओं के निर्यातकों को सोने की सप्लाई के लिये नामजद एजेंसियों के रूप में मनोनीत किया गया है। उपर्युक्त (1) से (9) तक के उप पैराग्राफों में निर्धारित प्रक्रिया एम एम टी सी और एच एच ई सी द्वारा सप्लाई किये गये स्वर्ण के मामले में भी लागू होगी।”

(6) अध्याय-7 में पैराग्राफ 152 (21) में निम्नानुसार संशोधन किया जायगा :—

“(21) यदि निर्यातक एम एम टी सी और एच एच ई सी द्वारा निश्चित किये गये अनुसार आपेक्षित बैंक गारंटी प्रस्तुत करता है तो एम एम टी सी और एच एच ई सी भी उसे ऋण आधार पर स्वर्ण सप्लाई कर सकते हैं। ऋण की अवधि के लिये निर्यातक और एम एम टी सी/एच एच ई सी के बीच यथा सहमति अनुसार निर्यातक को व्याज का भुगतान करना होगा।

निर्यातक को स्वर्ण के ऋण की निकासी भी तारीख से 130 दिनों के अंदर निर्यात को पूरा करना होगा और लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया रिलीज आदेश एम एम टी सी/एच एच ई सी को प्रस्तुत करना होगा, अन्यथा उसकी बैंक गारंटी जब्त कर ली जायेगी और किसी भी अन्य लागू कानून के तहत निर्यातक के विरुद्ध कार्रवाई की जा सकती है।”

(7) अध्याय-8 में पैराग्राफ 152(22) के नीचे दी गई “टिप्पणी” में निम्नानुसार संशोधन किया जायेगा :—

“टिप्पणी:— निर्यात आयात नीति, 1992-97 की स्कीम “ग” के पैराग्राफ 88 के अंतर्गत केन्द्रीय सरकार ने भारतीय खनिज और धातु व्यापार निगम लि. और एच एच ई सी को निर्यातकों की सोने और चांदी के आभूषणों और वस्तुओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये (i) 0.999 परिशुद्धता के स्वर्ण या 0.995 परिशुद्धता के स्वर्ण और (2) 0.999 परिशुद्धता की चांदी या 0.995 परिशुद्धता की चांदी के आयात के लिये एजेंसियों के रूप में मनोनीत किया है।”

(8) अध्याय-8 में, पैराग्राफ 154 (1) में संशोधन करके इसे निम्नानुसार पढ़ा जायगा :—

“(1) ऐसी यूनिटों को जो स्वतंत्र रूप से सोने का आयात एवं आभूषणों के निर्यात उत्पादन के लिये बनाना चाहती हैं और काम्प्लैक्स अथवा जोन के विकास आयुक्त के प्रायोजन प्राधिकारी द्वारा यथा प्रमाणित अलाय बनाने की उपयुक्त सुविधाएं रखती हैं, 0.999 परिशुद्धता के स्वर्ण के सीधे आयात या भारतीय स्टेट बैंक नामजद एजेंसी से 0.999 परिशुद्धता के स्वर्ण की सप्लाई की अनुमति दी जायेगी। यूनिट द्वारा स्वर्ण के सीधे आयात को निर्यात उत्पादन के लिये इस्तेमाल करने से पूर्व भारत सरकार टकसाल से उसी शुद्धता की मानक आकार की छड़ों में उपयुक्त मोहर लगाकर बदला जायगा। इसी प्रकार भारतीय स्टेट बैंक/नामजद एजेंसी द्वारा सप्लाई किया गया स्वर्ण भारत सरकार टकसाल से उसी शुद्धता की मोहर लगा और मानक छड़ के रूप में होगा।”

2. इसे सार्वजनिक हित में जारी किया जाता है।

डा. पी. एल. संजीव रेड्डी, महानिदेशक,
(विदेश व्यापार)

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE NO. 160(PN)/92-97

New Delhi, the 9th September, 1993

F. No. 9/2/93-EPC.—In exercise of the powers conferred under paragraph 16 of the Export & Import Policy 1992-97 (Revised Edition : March, 1993), the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendments in the Handbook of Procedures (Volume-I), 1992-97 (Revised Edition : March, 1993):—

(i) In Chapter VIII, the Entry No. ‘A’ in first column of the Table-I below paragraph 147 shall be amended as under :—

“A. Plain gold jewellery articles unstudded with minimum value addition of 10 per cent or more (or gold content plus wastage).”

(ii) In Chapter VIII, the entry No. B(i) in the first column of Table—I below paragraph 147 shall be amended as under :—

“(i) Value addition of 15 per cent and upto 25 per cent.”

(iii) In Chapter VIII, paragraph 150(9) (iii) the words and figures “over the minimum prescribed limit of 15 per cent on gold content plus wastage available” appearing at page 56 shall be amended to read as under :—

“over the minimum prescribed limit of 10 per cent for plain gold jewellery and 15 per cent for studded gold jewellery on gold content plus wastages available.”

(iv) In Chapter VIII, paragraph 152(10)(ii) the words and figures “over the minimum prescribed limit of 15 per cent on gold content plus wastage available” appearing at page 64 shall be amended to read as under :—

"over the minimum prescribed limit of 10 per cent for plain gold jewellery and 15 per cent for studded gold jewellery on the gold content plus wastages."

- (v) In Chapter VIII, paragraph 152(20) shall be amended as under :—

"(20) The Minerals and Metals Trading Corporation of India Limited (MMTC), New Delhi and its branches at Calcutta, Madras, Bangalore, Bombay, Ahmedabad and Jaipur and also the Handicrafts and Handlooms Exports Corporation of India Ltd. (HHEC), New Delhi and its branches at Bombay, Calcutta, Madras, Jaipur, Bangalore and Cochin, have been nominated as designated agencies for supply of gold to the exporters of gold jewellery and articles. The procedure laid down in subparagraphs (1) to (19) above shall equally apply in respect of supply of gold by MMTC and HHEC."

- (vi) In Chapter VIII, paragraph 152(21) shall be amended as under :—

"(21) The MMTC and HHEC may also supply gold on loan basis if an exporter submits the requisite bank guarantee as may be specified by MMTC and HHEC. The exporter shall be liable to pay interest as may be agreed between the exporter and the MMTC/HHEC for the period of the loan. The exporter shall complete the exports within 120 days from the date of drawal of gold of loan and submit a Release Order issued by the Licensing Authority to MMTC/HHEC, failing which the bank guarantee shall be forfeited and the exporter shall also be liable to action and under any other applicable law."

- (vii) In Chapter VIII, the "NOTE" below paragraph 152(22) shall be amended as under :—

"Note : Under the Scheme 'C' of paragraph 88 of the Export and Import Policy, 1992—97, the Central Government have nominated the Minerals and Metals Trading Corporation of India Ltd. and HHEC as agencies for the import of (i) gold of 0.999 fineness or 0.995 fineness and (ii) silver of 0.999 fineness or 0.995 fineness, to service the requirements of exporters of gold and silver jewellery and articles."

- (viii) In Chapter VIII, paragraph 154(1) shall be amended to read as under :—

"(1) For exporting units who wish to independently make alloys of gold for export production of jewellery and have suitable alloying facilities as certified by the sponsoring authority of Complex or the Development Commissioner of the Zone, direct import of gold of 0.999 fineness or supply of gold of 0.999 fineness from the SBI/nominated agency shall be allowed. The direct import of gold by the unit shall be got converted into standard bars of same purity of gold from the Government Mint with appropriate stamping before use for export production. Similarly the supply of gold by the SBI/nominated agency shall be in standard bars of the same purity with appropriate stamping of Government of India Mint."

2. This issues in public interest.

Sd./-

Dr. P. L. SANJEEV REDDY, Director General of Foreign Trade

